

स्पर्श CBSE 10

तोप

वीरेन डंगवाल





Author Intro - कवि परिचय

कवि - वीरेन डंगवाल

जन्म - 5 अगस्त 1947 (उत्तराखंड)

कंपनी बाग के मुहाने पर

धर रखी गई है यह 1857 की तोप

इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में

मिले कंपनी बाग की तरह

साल में चमकाई जाती है दो बार।

सुबह शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने जमाने में

अब तो बहरहाल

छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फारिग हो तो उसके
ऊपर बैठकर

चिड़ियाँ ही अक्सर करती हैं गपशप

कभी-कभी शैतानी में वे उसके भीतर भी घुस जाती हैं

खासकर गौरैयाँ

वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप

एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।